

शिकार प्राचीनकाल से होता रहा है, इसकी अनेक प्रजातियाँ पाई जाती हैं, एक प्रजाति की नाभि में कस्तूरी नामक सुगंधित द्रव्य भी पाया जाता है पर्या. मृग।

**हिरनौरा** पुं. (तद्.) हिरन का बच्चा दे. हिरन।

**हिरमजी/हिरमिजी** वि. (अर.>किरमिजी) किरमिज के रंग वाली (मिट्टी) जो दीवार आदि रँगने के काम आती है, हिरौंजी।

**हिरस** स्त्री. (अर.>हिस) लालच, हवस स्त्री. (तद्.) ईर्ष्या, ईर्ष्या के कारण की जाने वाली स्पर्धा।

**हिराना** अ.क्रि. (तद्.) 1. खो जाना 2. नष्ट हो जाना 3. भटक जाना।

**हिरास** पुं. (तद्.) 1. क्षय 2. कमी 3. अवनति स्त्री. (फा.) 1. डर 2. कष्ट 3. निराशा 4. खतरा।

**हिरासत** स्त्री. (अर.) 1. निरीक्षण, निगरानी 2. ऐसी निगरानी रखना कि संबंधित व्यक्ति कहीं आ जा न सके, किसी से बात न कर सके और स्वतंत्र विचरण भी न कर सके पर्या. हवालात।

**हिरिस** पुं. (देश.) भूरे रंग की छाल वाला तथा खट्टे-मीठे फलों वाला एक छोटा पेड़।

**हिरौंजी** दे. हिरमिजी।

**हिस** दे. हिरस।

**हिसा-हिसी** अव्य. (अर.) ईर्ष्यावश।

**हिसी** वि. (अर.) ईर्ष्यावश स्पर्धा करने वाला वि. लोभी, लालची, लिप्सु।

**हिलंदा** वि. (देश.) मोटा-ताजा, हट्टा-कट्टा।

**हिल स्टेशन** पुं. (अं.) रमणीक पर्वतीय स्थल जहाँ लोग घूमने फिरने और प्राकृतिक सौंदर्य देखने जाते हैं।

**हिलक** स्त्री. (तद्.) हिलकने की क्रिया या भाव।

**हिलकना** अ.क्रि. (तद्.) 1. उलझना, अटकना 2. (किसी के प्रति) अनुरक्त होना अ.क्रि. (देश.) 1. हिचकियाँ या सिसकियाँ लेना 2. उछलना।

**हिलकी** स्त्री. (देश.) हिचकी या सिसकी।

**हिलकोर** स्त्री. (तद्.) 1. तरंग, लहर, हिलोर 2. नदी में नाव इत्यादि का डगमगाना।

**हिलकोरना** स.क्रि. (तद्.) 1. कृत्रिम लहरें पैदा करना 2. नाव का ऊपर-नीचे या दायें-बायें हिलाना 3. हिलकोरे लेना।

**हिलकोरा** पुं. (तद्.) 1. तरंग, लहर, हिलोर 2. धक्का, झटका।

**हिलग/हिलगन** स्त्री. (देश.) 1. कहीं अटकने की स्थिति 2. लगन, लगाव 3. स्वभाव, आदत 4. मेलजोल।

**हिलगना** अ.क्रि. (देश.) 1. अटकना 2. फँसना, उलझना 3. लगाव होना 4. चिपकना।

**हिलगाना** स.क्रि. (देश.) 1. अटकाना 2. फँसाना, उलझाना 3. चिपकाना 4. लगाव उत्पन्न करना।

**हिलन** पुं. (देश.) 1. मेलजोल 2. प्रेम।

**हिलना** अ.क्रि. (तद्.) 1. चलायमान होना, स्थिर न रह पाना 2. काँपना 3. झूमना 4. परिचित होना 5. परिचय बढ़ाना।

**हिलना-मिलना** अ.क्रि. (देश.) 1. अच्छी तरह परिचित हो जाना 2. एकाकार हो जाना 3. बारबार मिलते रहना, मेल-जोल रखना।

**हिलसा** स्त्री. (तद्.) मछली की एक प्रजाति जो बहुत काँटेदार होती है।

**हिलाना** स.क्रि. (देश.) हिलना का प्रेरणार्थक रूप 1. धक्का देकर या जोर लगाकर स्थिर वस्तु को चलायमान करने का प्रयत्न करना 2. काँपाना, लहराना 3. मन को अस्थिर करना स.क्रि. (देश.) परिचित करवा लेना, किसी व्यक्ति या पशु को प्रेम देकर अपना बना लेना।

**हिलि** क्रि.वि. (देश.) हिलकर।

**हिलि-मिलि** क्रि.वि. (देश.) हिलमिल कर, मेलजोल के साथ।

**हिलुरना** अ.क्रि. (देश.) चलायमान होना, हिलोरें लेना अ.क्रि. (देश.) हिलना।

**हिलोर** स्त्री. (तद्.) लहर, तरंग।